खतीद्युच्क्वेसा तामे बुधे वार्न वार्तः 4,19,4. तानी भिन्द्ती स्ररूपारिपं त्रन् 2,16. 2,39,7. 6,5,2. 10,45,4. 106,10. 176,1. — Vgl. 2. तम्

त्तामवस् (von ताम) 1) adj. sengend, Beiw. des Agni Z. d. d. m. G. 9, LEXIII. TS. 2,2,2,4.5. AIT. Ba. 7,6. Kitj. Ça. 25,4,36. Çiñkh. Ça. 3,4, 13. — 2) f. तामवती (sc. रृष्टि) ein best. Op/er: तामवत्याद्ना यदत्कर्म-णा प्तनापते । देवदेषाद्वस्ण जाते देषक्रस्वके ॥ क्रेमिनैकेन देषाणां सर्वेषां त्रयमादिशत्। एवं च एकप्रायश्चित्तेनानेकदेषत्रयाय तामवतीष्टिः सर्वत्र रृष्टात्तः। Bhavishja-P. und Phäjaçkittat. im ÇKDa. Könnte auch f. von तामवत (dieses von तामवत्त्) sein.

जामाप्रस्य (तामा + प्रस्य) m. N. pr. einer Stadt gaṇa मालादि zu P. 6,2,88.

तामास्य n. eine mit einer Kur unverträgliche Diät oder ein solcher Zustand des Körpers (z. B. die Menstruation) Çabdak. im ÇKDa. v. l.: तमस्य. — Zerlegt sich scheinbar in ताम + श्रास्य.

तामि in der v. l. des SV. II, 4, 2, 8, 2 खाव: तामी: statt ताम: (s. u. 2. तम) des RV. — patron. von ताम Kiç. zu P. 8, 2, 1.

नामिन् = नामा ऽस्यास्ति Kiç. zu P. 8,2,1. नामिमस् davon oder von नामि ebend.

तान्य (von 1. तम्) adj. nachzusehen, zu verzeihen: स्रपराधशतं तान्यं मया न्यस्य MBH. 2, 1517. 1582.

तार (von 1. ता) gana डवलारि (von त्र ) zu P. 3, 1, 140. 1) adj. f. म्रा von brennendem, ätzendem, salzigem Geschmack; salzhaltig: स्रक्तपत्रै: तार्तिताकर्रतीः MBn. 1,716. तार्कर्तिताकषायाह्मरसास्वादानि Pankar. 61,11. कषायकट्तिकामनाराािषा वनपत्तानि 254,11. नारं तलं कापुरुषाः पिवत्ति I, 365. Buke. P. 3,31,7. नदों वैतिरिणों मृत्या: नारगम्भीरवाहि-नीम् R. 3,59,20. मृत्तिका H. 940. = रुस Так. 3,3,334. H. an. 2,401. = सिति Med. r. 14. Daher juice, essence bei Wils. — 2) m. a) ein brennender, ätzender Stoff; besonders Aetzkali, Salpeter, Natrum, Potasche u. s. w. Wise 181. AK. 2,9,109. TRIK. H. 828. H. an. MED. HAR. 75. KATJ. Кавмарв. 3,8,6. Радон. zu Катл. 2,1. Jagn. 3,36. ट्राखे मे ट्राखमकरार्जाणी नारमिवादधाः в. 2,73,3. नते नारं कि स देदी पाएउवस्य мвн. 7,3351. अकृती लभते थष्टः तते तारावसेचनम् 13,305. तारं तते प्रतिपन् Мякки. 84,३. शस्त्रानुशस्त्रेभ्यः नारः प्रधानतमश्क्रेयभेयलेष्ट्यकार् णास्त्रिराषप्रवादि-शेषिक्रियावचार् गाञ्च Suça. 1,31,10. fg. 132,9. 2,25,11. 46,3. 2,54,9. fgg. संशोध्य द्रष्टमांसानि तारेण प्रातिसारयेत् 122, १. 379, 14. 453, ३. ता-रसाध्य 1,33,16. 35,2. नारद्राध 34,2.17. नार्नीणतया च लोष्ट्रक्रकशं जीपों का रूप्ये भवेत् Makkin. 47,3.5.17. तार त्रय n., तार त्रितय n. und त्रिलार n. Natrum, Salpeter und Borax Ragan. im ÇKDn. धारापमार्ग-क्टजलाङ्गलीतिलम्ष्ककैः । नारै्रतेस्त् मिलितैः नार्षपुरयो गणः॥ ibid. पलाशविश्राशिष्टिचिञ्चार्कतिलनालजाः । यत्रज्ञः मर्जिका चेति ताराष्ट्रकम्-दाव्हतम् ॥ ibid. शियुमूलकपलाशच्क्रिकाचित्रकाईकसानम्बसमेवैः । इत-शैखरिकमाचिकाइवैः तारपूर्वद्शकं प्रकीतितम् ॥ ibid. — b) Glas (wegen der äusseren Aehnlichkeit mit Salpeter u. s. w.) AK. 2,9, 100. TRIK. H. 1062. H. an. MBD. - c) Melasse H. an. नारसीध्यतनीद्रद्धिनीराम्ता-दका: Buig. P. 7, 4, 17. — d) ein beissender Mensch (धूर्त) H. an. Med. — 3) n. a) eine Art Salz (s. विद्वापा) Ragan. im ÇKDn. Salpeter Thik. 2, 9, 34. — b) Wasser (तर्?) H. c. 164. — Vgl. त्रतार्लवण, कनकतार, क्-अर्तारमूल.

तार्क m. 1) (von तार्) Kali: तन्मालतीतार्कसैन्ध्वापुतं सदाञ्जनं स्पानिम् ऽय रागिणि Suga. 2,341,15. Vgl. मालतीतीर्ज. — 2) = जाल, जालक AK. 2,4,4,16. 3,4,36,202. H. 1125. Med. k. 65. Nach ÇKDa. = श्रचिर्जातपाल eine vor Kurzem angesetzte Frucht; nach Coleba. Auge, Knospe; nach dem Sch. zu H. eine Menge junger Knospen. त्रकाति (sic) n. Knospe Vsutp. 143. — 3) ein Korb für Fische, Vöge! Med. — 4) Wäscher ÇABDAM. im ÇKDa.

त्तार्म (तार् + क°) m. der salzhaltige, ätzende Morast, N. einer Hölle Buig. P. 5,26,7.30.

नार्वार्न (नार + न ) a. die Anwendung von Aetzmitteln: नाराग्नि-कर्मविधि Verz. d. B. H. 280.

तार्कृत्य (तार् + कृत्य) adj. mit Aetzkali zu behandeln Suça. 1,34, 19. तार्णा (von तार्य्) f. Beschuldigung der Untreue H. 272. — Vgl. श्रातारणा.

नार्तेल (नार् + तेल) n. ein mit verschiedenen kalihaltigen Ingredienzien aufgekochtes Oel Gâruda-P. im CKDr.

नार्दला (नार् + दल) f. eine best. Gemüsepstanze (s. चिल्ली) Riáan. im ÇKDn.

नार्दु (नार् + हु) m. Bignonia suaveolens Roxb. (घएटापाटिन) Rat-

तार्नरी (तार् + नरी) f. ein Fluss mit ätzendem Wasser (in der Hölle): स त्रेवं नैकाया क्रिन: तार्नयां प्रवाक्यते Miak. P. 14,68.

तार्पत्र (तार् +पत्र) Name einer Pflanze, Chenopodium album, n. H. 1186. m. Rágan. im ÇKDa. ंपत्रक m. dass. ÇKDa. angeblich nach H. तार्पाल (तार् + पाल) m. N. pr. eines Rishi Hariv. Langi. I, 513 (v. l. तीरपाणि).

तार्भूमि (तार् + भूमि) f. salzhaltiger Boden: जीवनं जीवनं क्ति प्रा-णान्क्ति समोर्णाः । किमाश्चर्यं तार्भूमी प्राणदा यमह्तिका ॥ Орвата im ÇKDa.

त्तार् + मध्य) m. Achyranthes aspera (s. न्नपानार्ग) Ratnam. 40. तार्म्तिका (तार् + मृ°) f. salzhaltiger Boden AK. 2,1,4. Çabdar. im ÇKDr. Sch. zu Kåtj. Çr. 4,8,16.

नार्मेलन (नार् + में°) m. eine alkalische Substanz Råán. im ÇKDn. नार्मेल (नार् + मेक्) m. eine krankhaste Harnsecretion, bei welcher der Harn nach Potasche riecht und schmeckt, Suça. 1,272. 6. ेमेकिन् adj. damit behastet 2,78,8.

तार्य (denom. von तार्), तार्यति 1) mit ätzenden Stoffen versetzen; तार्तिः = स्नावितः तारैः MBD. t. 103. — 2) Jmd mit ätzenden Stoffen peinigen: तार्यते दीच्यते उन्यत्र (in einer Hölle) Mibb. P. 8, 142. — 3) Jmd in üblen Ruf bringen, verläumden, anklagen: कच्चिर्यो विश्वान्मा तारितद्योरकर्मणा MBB. 2,238. AK. 3,1,43. H. 436. MED. t. 103.

— म्रा = नार्य् 3: मातरं पितरं नायां भातरं तनयं गुरुम् । म्रानार्यन् शतं दाप्यः M. 8,275. परस्य पत्या पुरुषः संभाषां यानयत्रकः । पूर्वमानारिता देषिः प्राप्तयत्पूर्वसाक्सम् ॥ 354. यस्त्वनानारितः पूर्वम् 355. AK. 3, 1,43. H. 436,8ch. Nach West. caus. von नर्र. — Vgl. मानार्णा.

तार्वृत (तार् + वृत्त) m. = तार्ह् Rîéan. im ÇKDa.

तार्श्रेष्ठ (तार् + श्रेष्ठ) 1) m. Butea frondosa und = तार्वत Riéan. im ÇKDn. — 2) n. alkalische Erde (s. वज्रतार) Riéan. im ÇKDn.